Training & Placement Cell

Dr. A.P.J. ABDUL KALAM UNIVERSITY, INDORE

Date : 10th March, 2023

Interview Preparation Guidance for students who are going to appear for NDA CDS Examination

UPCOMING EXAM

एनडीए-सीडीएस परीक्षा के लिए कैंडिडेट्स में ये खूबियां होनी जरूरी

कर्नल राजेन्द्र सिंह भंडारी (रिटायर्ड)

एनडीए और सीडीएस, दो ऐसी परीक्षाएं हैं जो कैंडिडेट को इंडियन आर्म्ड फोर्स में कमीशंड अधिकारी बनने का मौका देती हैं। जैसे- एनडीए एग्जाम की हर स्टेज को क्वालिफाई करने वाले मेल और फीमेल कैंडिडेट को तीन साल की ट्रेनिंग के लिए नेशनल डिफेंस एकेडमी, खड़गवासला भेजा जाता है, जहां से वे सीधे सेना में जाते हैं। वहीं, सीडीएस को क्वालिफाई करने वाले कैंडिडेट को सीधे प्री-कमिशनिंग एकेडमी या कॉलेज भेजा जाता है। जानिए सीडीएस और एनडीए परीक्षा के लिए कौन सी बातों का ध्यान रखना जरूरी है।

अप्रेल और सितंबर में आयोजित होती है परीक्षा

दोनों परीक्षाएं यूपीएससी साल में दो बार आयोजित करता है। पहली अप्रेल में और दूसरी सितम्बर में रविवार को। दोनों के नोटिफिकेशन मई और दिसम्बर में जारी किए जाते हैं। इसके आवेदन के लिए 21 दिन का समय मिलता है। लिखित परीक्षा के परिणाम उसी साल जून और अक्टूबर में जारी किए जाते हैं।

कैंडिडेट की योग्यता

भारतीय सैन्य बल ऐसे कैंडिडेट्स को स्वीकार करता है, जो मेडिकली फिट पाए जाते हैं, जिनमें ऑफिसर बनने की क्षमता होती है और पर्सनैलिटी उसके मुताबिक होती है। कैंडिडेट में इंटेलिजेंस का लेवल, इश्यूज को समझने की समझ और ग्रुप को संभालते हुए विकट परिस्थिति से जूझने का हुनर होना चाहिए। वह खुद को समझ सके। जनरल इश्यूज को लेकर जागरूक हो। फ्रेंडली हो और ग्रुप में घुल-मिल सके। उम्र के मुताबिक उसमें मैच्योरिटी हो और दी जाने वाली जिम्मेदारियों को समझ सके। मौके पर फैसला लेने में हिचके नहीं। उसमें अपने फैसलों और अपनी बातों के लिए दूसरों को राजी करने का हुनर भी होना चाहिए। इसके अलावा विकट परिस्थिति का सामना करने की क्षमता होने के साथ फिजिकली फिट होना चाहिए। साथ ही तनाव जैसी स्थिति का सामना करने के लिए मानसिक रूप से स्ट्रॉन्ग होना चाहिए। कैंडिडेट में सही और गलत के बीच फर्क करने की समझ होनी चाहिए।

ऐसी हो पर्सनैलिटी

इंडियन आर्म्ड फोर्सेस कैंडिडेट्स की पर्सनैलिटी में कई खूबियां देखती है। जैसे- इंटेलेक्चुअल होना चाहिए। खुद और दूसरों को समझ सके। जीवन में हासिल की गई अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट हो। उसके काम करने का तरीका बैलेंस्ड हो। खुद में कॉन्फिडेंस होना चाहिए। खुशनुमा इंसान होना चाहिए, निगेटिव सोच नहीं होनी चाहिए। जीवन में मिलने वाले अनुभव से सीख ले सके और आशावादी हो। इसके अलावा अपने लक्ष्य से न भटके, अपने इमोशंस को कंट्रोल कर सके। इस तरह क्वालिटी की उम्मीद हर कैंडिडेट में की जाती है। अगर आप इस परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं तो आपमें खुद का आकलन करने की क्षमता होनी चाहिए। खुद की खूबियों और खामियों को समझना आना चाहिए। अपनी प्राथमिकताओं पर फोकस करना आना चाहिए।

नोट: अगले अंक में पढ़ें, दोनों परीक्षाओं के लिए शैक्षणिक योग्यता क्या होनी चाहिए और एग्जाम पैटर्न कैसा होता है?

Regards,

ANIL MISHRA
(Training & Placement Officer)